राष्ट्रीय कपड़ा निगम द्वारा संचालित मिलों में श्रमिकों की भागीदारी

2629. **श्री जगदम्बी प्रसाद यादव :** क्या **वस्त्र** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि राष्ट्रीय कपड़ा निगम की 50 मिलों के संबंध में श्रमिकों की भागीदारी की अनुमति प्रदान करने के बाद 125 मिलों में से 44 मिलों ने लाभ कमाना आरम्भ कर दिया था ;

(ख) यदि हां, तो राष्ट्रीय कपड़ा निगम की सभी 125 मिलो के प्रबंध में श्रमिकों की भागीदारी की अनुमति न देने के क्या कारण है ताकि वे सभी लाभ कमा सकें, और

(ग) इस तथ्य के बावजूद कि जिन मिलों को गैर सरकारी क्षेत्र द्वारा रुग्ण मिलें समझा जाता था और जिन्हें वे घाटे का सौदा समझते थे, उन्होंने प्रबंध में श्रमिकों की भागीदारी की अनुमति प्रदान किये जाने के तुरन्त बाद से लाभ कमाना प्रारम्भ कर दिया है, सभी उद्योगों में प्रबंध में श्रमिकों की भागीदारी की अनुमति के न दिय जाने के क्या कारण हैं ?

वस्त्र मंत्रालय के राज्य मंत्री (श्री खुर्शीद आलम खान) : (क) और (ख) नवंबर 1985 के अंत तक 52 मिलों में कामगारों की भागीदारी शुरू की गई है। इन 52 मिलों में से 21 मिलों ने अप्रैल से सितंबर 1985 की अवधि के दौरान सकल लाभ दिखाया।

उन 33 मिलों ने भी, जिनमें कामगारों की भागीदारी शुरू की गई, उसी अवधि में सकल लाभ दिखाया। प्रबन्ध में कामगारों की भागीदारी की योजना एक क्रमबद्ध ढंग से लागू की जा रही है।

(ग) सरकार ने 1983 में कामगारों की भागीदारी की एक योजना अधिसूचित की जो सभी केन्द्रीय सार्वजनिक क्षेत्र के [illegible] संबंध में लागू है।

राष्ट्रीय कपड़ा निगम द्वारा उत्पादन

2927. **श्री जगदम्बी प्रसाद यादव :** क्या **वस्त्र** मंत्री यह बताने की कपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि राष्ट्रीय कपड़ा निगम का उत्पादन 1982-83 में 480 करोड़ रुपये से बढ़कर 657 करोड़ रुपये हो गया है और इस वर्ष के दौरान आधे समय में यह उत्पादन 395 करोड़ रुपये तक पहुंच गया है और वद्धि दर 20 प्रतिशत है यदि हां, तो राष्ट्रीय कपड़ा निगम को प्रति माह 2 करोड़ रुपये के होने वाले घाटे के क्या कारण है ;

(ख) इस तथ्य के बावजूद इसके घाटों को पूरा न करने के क्या कारण हैं कि कताई क्षमता का उपयोग 70 प्रतिशत से बढ़कर 77.3 प्रतिशत हो गया है और इसकी बुनाई क्षमता 90 प्रतिशत से बढ़ाकर 98 प्रतिशत हो गई है ; और

(ग) इन तथ्यों के बावजूद अब तक कोई लाभ अर्जित न करने के क्या कारण है कि कपड़े का मूल्य 4.93 रुपये प्रति मीटर से बढ़कर 6.67 रुपये प्रति मीटर हो गया है तथा इसका निर्यात भी 13.57 करोड़ रुपये से बढ़कर 39.57 करोड़ रुपये हो गया है तथा सरकारी विभाग भी धागे और वस्त्रों की सप्लाई पर लाभ का अधिकांश भाग प्राप्त कर रहे हैं ?

वस्त्र मंत्रालय के राज्य मंत्री (श्री खुर्शीद आलम खान) : (क) से (ग) एन टी सी के अंतर्गत राष्ट्रीयकृत मिलों का उत्पादन मूल्य 1982-83 में 480 करोड़ रुपये से बढ़ कर 1984-85 में 657 करोड़ रुपये तथा अप्रैल सितंबर 1985 की अवधि के दौरान 391 करोड़ रुपये हो गया। वृद्धि दर लगभग 21 प्रतिशत वार्षिक रही।

1984-85 की तुलना में अप्रैल-सितम्बर 1985 की अवधि में उपयोग कताई में 70.0 प्रतिशत से बढ़कर 77.3 प्रतिशत तथा बुनाई मे 73.0 प्रतिशत से बढ़कर 78.1 प्रतिशत हो गया।

वस्त्र अधिप्राप्ति 1983-84 में 4.93 रु० प्रतिमीटर से बढ़कर अप्रैल-सितम्बर, 1985 में 6.67 रु० प्रति मीटर हो गई ।

निर्यात भी 1983-84 में 13.57 करोड़ रु० से बढ़कर 1984-85 में 39.57 करोड़ रु० के हो गये ।

चालू वित्तीय वर्ष में हुये सुधारों के परिणामस्वरूप 1984-85 की तुलना में औसत मासिक निवल घाटों में 5.5 करोड़ रु० तक की कमी आई ।

तथापि, एन टी सी के अन्तर्गत मिलों में लगातार घाटे होने के प्रमुख कारण निम्नोक्त प्रकार हैं:-

(1) पुरानी तथा अप्रचलित मशीनें ;

(2) अनियमित बिजली की सप्लाई तथा पावर की कमी, कैप्टिव पावर की ऊंची लागत आदि की वजह से सुस्थापित क्षमता का कम उपयोग होना ।

(3) रुई की कीमतों में असामान्य वृद्धि विशेष रूप से 1980-81 से 1984-85 के मध्य तक ;

(4) पावर, कोयले रंजक पदार्थ तथा रासायनिक पदार्थ, स्टोर्स एवं फालतू पुर्जों की लागत में वृद्धि ;

(5) वेशी श्रमिक बल ;

(6) मजदूरी/वेतन में वृद्धि ; और

(7) कार्य मानदंड ठीक न होना तथा कम उत्पादकता ।

Search of baggages of Acharya Rajneesh and party at Delhi Airport

2928. SHRI CHATURANAN MISHRA: Will the Minister of FINANCE be pleased to state:

(a) whether his attention has been drawn to press reports that baggages of Acharya Rajneesh (Bhagwan) accompanied by his Secretary and others, on his arrival at Delhi Airport was not search and none was questioned regarding the valuables including diamonds etc. brought by him;

(b) if so, the full details thereof; and

(c) the reasons therefor?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF FINANCE (SHRI JANARDHAN POOJARI): (a) and (b) Acharya Rajneesh and members of his party were cleared through the Customs according to the normal procedure. Acharya Rajneesh and members of his party were questioned regarding the contents of their baggage but they did not declare and dutiable or prohibited articles. The baggage was duly examined.

(c) In view of (a) and (b) above, does not arise.

World Bank assistance for various projects in Maharashtra

2929. DR. BAPU KALDATE: Will the Minister of FINANCE be pleased to state:

(a) what are the projects in Maharashtra that have been negotiated for execution and assistance from the World Bank during 1980 to 1985;

(b) whether it is a fact that many projects were abandoned due to non-supply of adesuate information and plans to World Bank by the Government of Maharashtra; and

(c) if so, what are the details thereof?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF FINANCE (SHRI JANARDHAN POOJARI): (a) A list of projects in Maharashtra for which agreements have been signed for World Bank assistance from 1980 to 1985 is annexed (*See below*)

(b) No Sir.

(c) Does not arise.